भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ

(भारतीय सहकारी आंदोलन की शीर्षस्थ संस्था)

NATIONAL COOPERATIVE UNION OF INDIA

(APEX ORGANISATION OF THE INDIAN COOPERATIVE MOVEMENT)

दिनांक : 26.09.2011

प्रैस विज्ञप्ति

सहकारिताएं वित्तीय समावेश को बढ़ावा दे सकती हैं एवं समावेशित विकास में सहायक सिद्ध हो सकती हैं – डॉ. बक्शी

सहकारी आंदोलन की शीर्षस्थ संस्था भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ द्वारा 26 सितम्बर, 2011 को नई दिल्ली में आयोजित 16वें वैकुंठ भाई मेहता स्मृति व्याख्यान के अवसर पर **"भारतीय सहकारी आंदोलन के समक्ष मुद्दे एवं चुनौतियाँ"** विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए डॉ. प्रकाश बक्शी, अध्यक्ष, राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने कहा कि वर्ष 2011–12 के दौरान फसल ऋण 50 हजार करोड़ रुपये के लगभग स्वीकृति किए जायेगें। उनके अनुसार अबतक 38 हजार करोड़ रुपये की स्वीकृत दे दी गयी है। अब ये आंकड़े 40 हजार करोड़ रुपये पार कर सकते हैं। हम अगले रबी सत्र में 10 हजार करोड़ रुपये की पुर्नवित्तीय सहायता प्रदान करेगें। उन्होंने कहा कि नाबार्ड ने वर्तमान वित्तीय वर्ष में अल्पकालीन एवं दीर्घकालीन ऋण के रूप में 5.20 लाख करोड़ रुपये का कृषि के लिए पुर्नवित्त किया है। जबकि लक्ष्यांक 4.75 लाख करोड़ रुपये का था।

उन्होंने कहा कि सहकारी साख समितियां अपने विस्तृत नेटवर्क के द्वारा देश में समावेशित विकास के लिए एक महत्वपूर्ण साधन के रूप में साबित हो सकती है। जिसके लिए उन्हें प्राथमिक कृषि सहकारी समितियां (पैक्स) के लिए व्यवसायिकरण पर जोर दिया। पैक्स को चाहिए कि अन्य आवश्यक उत्पादों का उत्पाद करें। उन्होंने कहा कि किसी कार्य को सम्पन्न करने के लिए सहकारी नेताओं को जागरूक एवं स्वच्छ छवि वाला तथा सदस्यों को सक्रिय एवं जागरूक होना चाहिए। तभी निम्न स्तर पर सहकारिता का विकास संभव हो सकता है।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित श्री सुरेन्द्र सिंह, सलाहाकार (कृषि), योजना आयोग, भारत सरकार ने कहा कि 12वीं पंचवर्षीय योजना स्वास्थ्य, भोजन, शिक्षा, रोजगार आदि के समावेशित विकास पर केन्द्रित रहेगी। सहकारिता के सुधारों के लिए एक अलग से अध्याय होगा। उन्होंने कहा कि सहकारिताएं वित्तीय समावेश में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

डॉ. चन्द्रपाल सिंह, अध्यक्ष, भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ ने इस अवसर पर अपने स्वागत भाषण में कहा कि जब विश्व वित्तीय संकट से जूझ रहा हो तो ऐसे समय पर सहकारिताएं गरीब वर्ग के उत्थान के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकती हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि सहकारिताओं को आधुनिक तकनीक एवं पेशेवर रूप में कार्य करना चाहिए।

भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ के मुख्य कार्यकारी डॉ. दिनेश ने इस अवसर पर कहा कि सहकारिताएं ही गरीबों के उत्थान में एक महत्वपूर्ण साधन हैं एवं सहकारिताएं उनके लिए सक्रिय भूमिका अदा कर सकती हैं। इस अवसर पर वैकुंठ भाई स्मृति व्याख्यान के संकलन पर एक पुस्तक का विमोचन भी किया गया। समारोह में देश से विभिन्न सहकारी संस्थानों से आये हुए लगभग 600 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

समाचार पत्रों में प्रकाशनार्थ।

(मोहन मिश्रा)
निदेशक (जनसम्पर्क)
मो. : 9811773180

3, सीरी इंस्टीटयूशनल एरिया, अगस्त क्रांति मार्ग, नई दिल्ली-110016. 3, Siri Institutional Area, August Kranti Marg, New Delhi-110016
दूरलेख/Gram : COPUNION, दूरभाष/Phones : 26861472, 26565146
फैक्स/Fax : 011-26863248, 011-26865350, ई–मेल/E-Mail : ncuidel@ndb.vsnl.net.in
Website : www.ncui.net.in

भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ द्वारा आयोजित 16वें वैकुण्ठ भाई मेहता स्मारक व्याख्यान का द्वीप प्रज्जवलित कर उद्घाटन करते हुए डॉ. प्रकाश बक्शी, अध्यक्ष, नाबार्ड । साथ में डॉ. चन्द्रपाल सिंह, अध्यक्ष, भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ ।